भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या: *199

दिनांक 31 जुलाई, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

सिकल सेल रोग के मामले

†*199. डॉ. नामदेव किरसानः

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि महाराष्ट्र के गढ़चिरौली-चिमूर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के गढ़चिरौली, चन्द्रपुर और गोंदिया जिलों की जनजातीय आबादी में सिकल सेल रोग के मामले काफी अधिक हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान राष्ट्रीय सिकल सेल रक्ताल्पता उन्मूलन मिशन के अंतर्गत उक्त जिलों में वर्ष-वार कितने व्यक्तियों की जांच की गई, कितने व्यक्तियों की पहचान रोग वाहक के रूप में की गई और सिकल सेल रोग ग्रसित व्यक्तियों की संख्या कितनी है;

(ग) क्या सरकार का विचार उक्त संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में और अधिक संख्या में सिकल सेल जांच केन्द्रों, आनुवांशिक परामर्श सुविधाओं, रक्त भंडारण इकाइयों और विशिष्ट उपचार केन्द्रों की स्थापना करने का है ताकि प्रभावित जनजातीय आबादी के लिए समय पर निदान और उपचार सुनिश्चित किया जा सके और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में वर्ष 2047 तक जन स्वास्थ्य समस्या के रूप में सिकल सेल रोग का उन्मूलन करने के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा प्रदान की गई वित्तीय सहायता, कर्मचारियों की तैनाती, चलाए गए जागरूकता कार्यक्रमों और हाइड्रोक्सीयूरिया जैसी दवाएं उपलब्ध कराए जाने सहित किए गए अन्य उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री

(श्री जगत प्रकाश नड्डा)

(क) से (घ): विवरण सभा के पटल पर रख दिया गया है।

दिनांक 31 जुलाई, 2026 के लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *199 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (घ): 'जन स्वास्थ्य' और 'अस्पताल' राज्य के विषय हैं। यह मंत्रालय राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के रूप में प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर, महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सिकल सेल एनीमिया की जांच, औषधियों की खरीद और मौजूदा रक्त बैंकों को सुदृढ़ करने/नए रक्त बैंक स्थापित करने के लिए तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन (एनएससीएईएम) के तहत, महाराष्ट्र सहित प्रभावित 17 जनजातीय राज्यों में जिला अस्पतालों (डीएच) से लेकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) स्तर तक के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में 0-40 वर्ष के लक्षित आयु वर्ग में सिकल सेल रोग (एससीडी) के निदान के लिए जांचे की जाती हैं।

राज्यों द्वारा एससीडी पोर्टल पर की गई रिपोर्ट के अनुसार, दिनांक 26.07.2026 तक की स्थिति के अनुसार देश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में 7.25 करोड़ से अधिक जांचे की जा चुकी है, जिसमें महाराष्ट्र राज्य में 1.11 करोड़ जांचे शामिल हैं। राज्य द्वारा प्रदत्त सूचना के अनुसार, इस मिशन के अंतर्गत गढ़चिरोली, चंद्रपुर और गोंदिया जिलों में **जांच किए गए, वाहक के रूप में पहचाने गए और एससीडी से पीड़ित व्यक्तियों की संख्या** अनुलग्नक में दी गई है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने विभिन्न राज्यों में जनजातीय कार्य मंत्रालय (मोटा) द्वारा वित्त पोषित एससीडी उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) की स्थापना के लिए लागत मानदंड तैयार किए हैं। महाराष्ट्र के नागपुर स्थित एम्स सहित 15 राज्यों में 17 सीई को मोटा द्वारा अनुमोदित किया गया है।

सिकल सेल रोग (एससीडी) से पीड़ित रोगियों को जीवनशैली प्रबंधन, विवाह पूर्व और प्रसव पूर्व निर्णयों के बारे में परामर्श प्रदान किया जाता है।

औषधि प्राप्ति की समस्या के समाधान हेतु हाइड्रोक्सीयूरिया को उप-स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी)/शहरी पीएचसी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और स्वास्थ्य केंद्रों में राष्ट्रीय चिकित्सा मिशन (एनएचएम) की आवश्यक औषधियों की सूची में शामिल किया गया है। भारत सरकार द्वारा औषधियों की खरीद की निगरानी करने और जन स्वास्थ्य केंद्रो में आवश्यक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए औषधि एवं टीका वितरण प्रबंधन प्रणाली (डीवीडीएमएस) शुरू की गई है।

मोटा के माध्यम से, रोग, जांच और प्रबंधन के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए जागरूकता और परामर्श सामग्री विकसित करके राज्यों के साथ साझा की गई है।

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के अंतर्गत, आईसीएमआर ने मध्य प्रदेश के जबलपुर में आईसीएमआर-राष्ट्रीय जनजातीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान (एनआईआरटीएच) तथा महाराष्ट्र के चंद्रपुर में हीमोग्लोबिनोपैथी अनुसंधान प्रबंधन और नियंत्रण के लिए एक केंद्र की स्थापना की है, जो सिकल सेल रोग सहित अन्य राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सहायता करता है।

*****

अनुलग्नक

एनएससीएईएम के अंतर्गत गढ़चिरोली, चंद्रपुर और गोंदिया जिलों में जांच किए गए, वाहक के रूप में पहचाने गए और एससीडी से पीड़ित व्यक्तियों की संख्या:

क्र.सं.	**जिले का नाम**	**जांच किए गए व्यक्तियों की संख्या**	**वाहक के रूप में पहचाने गए व्यक्तियों की संख्या**	**एससीडी से पीड़ित व्यक्तियों की संख्या**
1.	गढ़चिरोली	4,92,884	24,056	2,654
2.	चंद्रपुर	5,45,282	22,559	2,481
3.	गोंडिया	3,94,540	9,468	1,976

*****